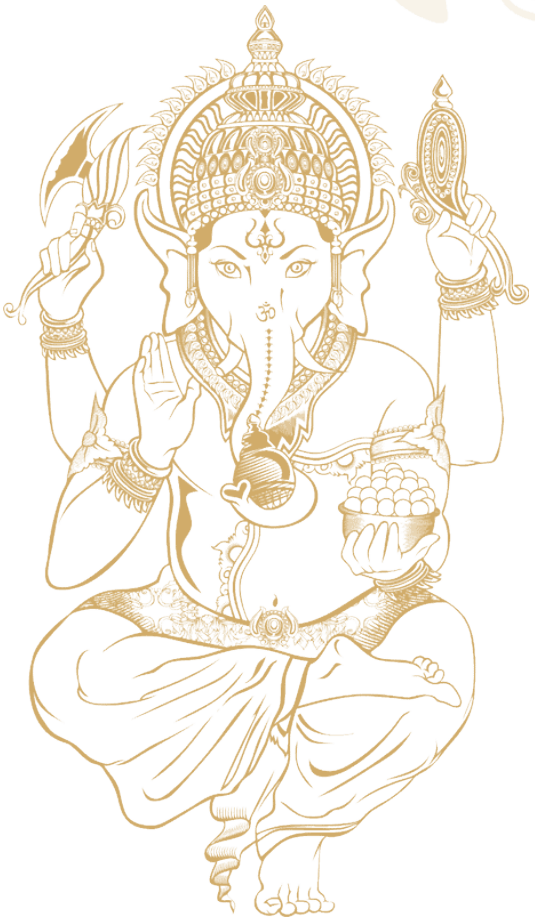

Sunny Sangeeta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121367001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121367001 Date: 23/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/10/1994	जन्म तिथि	14/08/2001
बुध-गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	19:00:00 घंटे
घटी 51:58:42	जन्म समय(घटी)	34:08:50 घटी
India	देश	India
Muzaffarpur	स्थान	Muzaffarpur
26:07:00 उत्तर	अक्षांश	26:07:00 उत्तर
85:23:00 पूर्व	रेखांश	85:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:31	सूर्योदय	05:20:28
17:30:06	सूर्यास्त	18:25:19
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:31

सिंह	लग्न	कुम्भ
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कन्या	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
चित्रा	नक्षत्र	मृगशिरा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	1
वैधृति	योग	हर्षण
बव	करण	विष्टि
पो-पौरुष	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
व्याघ्र	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 3मा 11दि	04:43:27	सिंह	लग्न	कुंभ	10:11:09	मंगल 5वर्ष 10मा 21दि
गुरु	18:36:08	कन्या	सूर्य	कर्क	27:56:44	गुरु
16/01/2017	28:30:36	कन्या	चंद्र	वृष	25:26:40	06/07/2025
16/01/2033	06:53:56	कर्क	मंगल	वृश्चि	25:31:08	06/07/2041
गुरु 06/03/2019	12:02:48	तुला	बुध	सिंह	06:47:20	गुरु 24/08/2027
शनि 17/09/2021	22:14:51	तुला	गुरु	मिथु	12:56:13	शनि 06/03/2030
बुध 24/12/2023	23:12:28	तुला	शुक्र	मिथु	21:14:57	बुध 11/06/2032
केतु 28/11/2024	12:52:31	कुंभ व	शनि	वृष	19:26:42	केतु 18/05/2033
शुक्र 30/07/2027	21:17:17	तुला व	राहु	मिथु	11:31:11	शुक्र 17/01/2036
सूर्य 18/05/2028	21:17:17	मेष व	केतु	धनु	11:31:11	सूर्य 04/11/2036
चन्द्र 17/09/2029	28:36:26	धनु	हर्ष व	मक	29:01:35	चन्द्र 06/03/2038
मंगल 24/08/2030	26:47:22	धनु	नेप व	मक	13:06:07	मंगल 10/02/2039
राहु 16/01/2033	02:29:53	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:41:12	राहु 06/07/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:14 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:31

लग्न-चलित

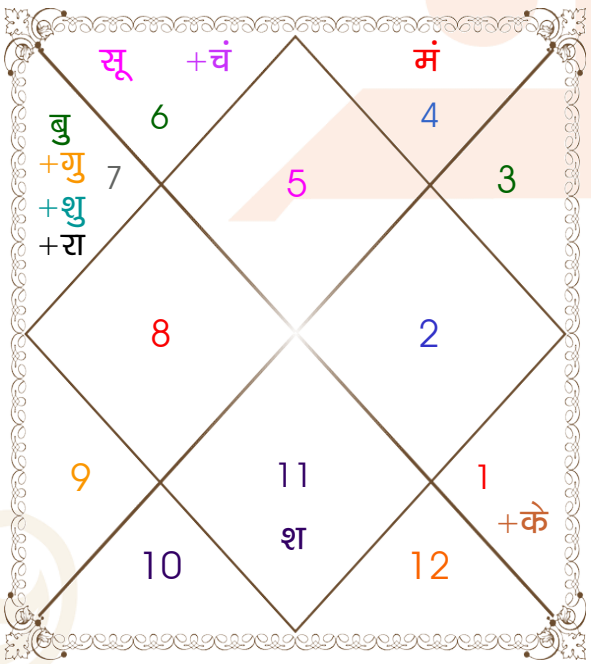

लग्न-चलित

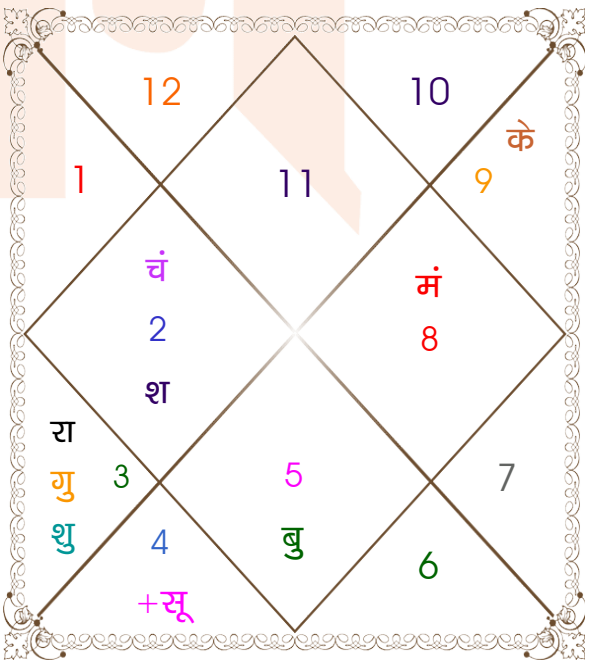

Shree Siddhivinayak Astro
Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

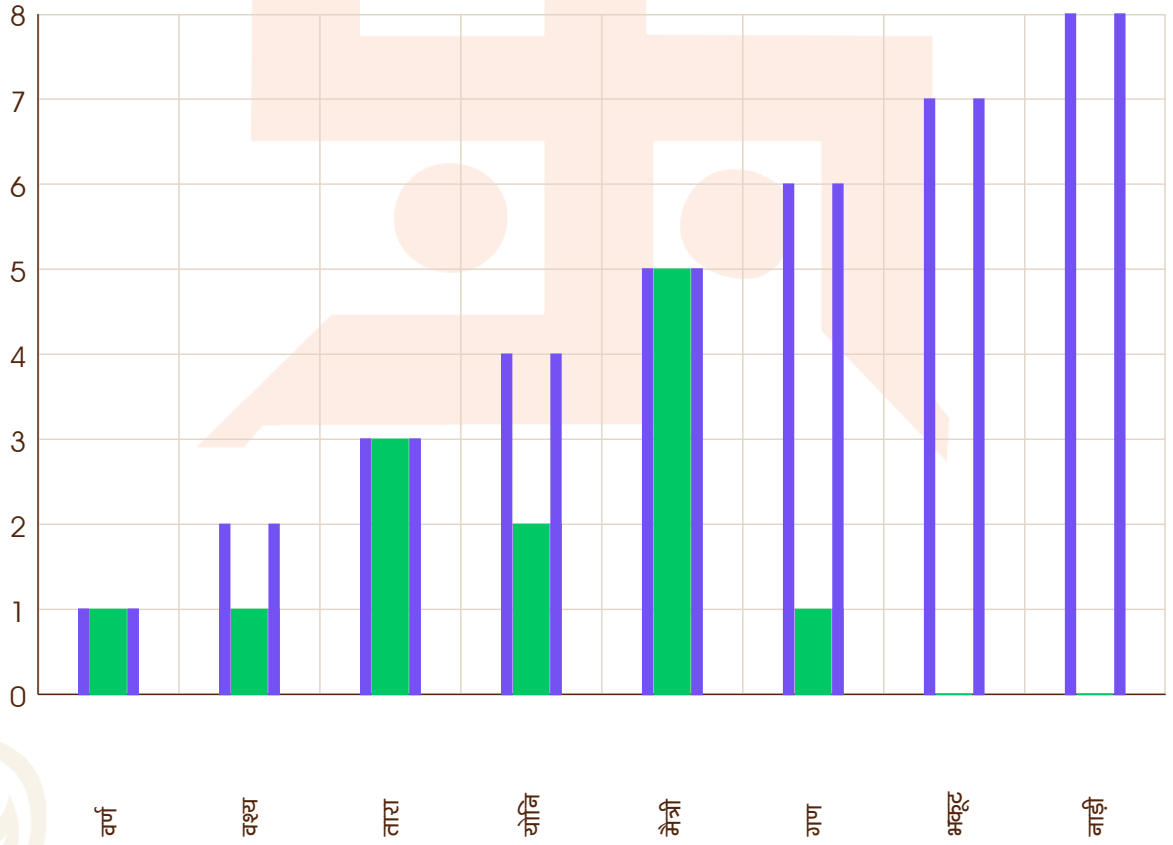

Shree Siddhivinayak Astro
Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Sangeeta का नक्षत्र मृगशिरा है।

ैनददल का वर्ग मूषक है तथा Sangeeta का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैनददल और Sangeeta का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनददल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैनददल कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल ैनददल कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sangeeta मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ैनददल तथा Sangeeta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैनददल का वर्ण वैश्य है तथा Sangeeta का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारणै नददल और Sangeeta दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे।ै नददल और Sangeeta दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

ैनददल का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Sangeeta का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूपै नददल एवं Sangeeta दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Sangeeta अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले मेंै नददल अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

ैनददल की तारा जन्म तथा Sangeeta की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ैनददल की योनि व्याघ्र है तथा Sangeeta की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ैनददल एवं Sangeeta दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ैनददल एवं Sangeeta के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ैनददल एवं Sangeeta जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ैनददल का गण राक्षस तथा Sangeeta का गण देव है। अर्थात Sangeeta का गण ैनददल के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण ैनददल निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ हीं ैनददल का Sangeeta के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Sangeeta हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

ैनददल से Sangeeta की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Sangeeta से ैनददल की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। ैनददल की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

ैनददल की नाड़ी मध्य है तथा Sangeeta की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा

मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में नददल एवं Sangeeta का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

ैनददल की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Sangeeta की राशि भी पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तत्व की परस्पर नैसर्गिक समता होने के कारण ैनददल और Sangeeta के स्वाभाविक गुणों में समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

ैनददल की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा Sangeeta की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः ैनददल और Sangeeta के मध्य मित्रता सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। ैनददल और Sangeeta एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा तथा एक दूसरे को उचित सम्मान प्रदान करेंगे।

ैनददल और Sangeeta की जन्म राशि परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा ैनददल और Sangeeta में अहंकार के भाव की उत्पति होगी तथा इस प्रवृति से एक दूसरे की उपेक्षा तथा आलोचना आदि करेंगे जिससे आपसी संबधों में तनाव आदि उत्पन्न होगा परन्तु यदि ैनददल और Sangeeta सावधानी एवं धैर्य से कार्य करें तो तथा इन प्रवृतियों की उपेक्षा करें तो दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होने की संभावना बन सकती है।

ैनददल का वश्य मानव तथा Sangeeta का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

ैनददल और Sangeeta दोनों का वर्ण वैश्य है अतः इनकी कार्य क्षमताएं बराबर होंगी तथा दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से ये कार्यो को सम्पन्न करेंगे।

धन

ैनददल और Sangeeta दोनों जनम तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने- में समर्थ रहेंगे। साथ ही सम भकूट होने के कारण आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा परन्तु ैनददल के लिए मंगल अशुभ होने के कारण किंचित असुविधा वे आर्थिक क्षेत्र में आलस्य के कारण प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु उचित मात्रा में लाभ होने के कारण इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ैनददल और Sangeeta दोनों को पैतृक सम्पति की प्राप्ति होने की प्रबल संभावना होगी जिससे आर्थिक सम्पन्नता भी रहेगी एवं धनऐश्वर्य तथा वैभव से युक्त होंगे। यदा कदा ैनददल की प्रवृति अनावश्यक व्यय करने की होगी लेकिन उससे उनकी धनसम्पन्नता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

स्वास्थ्य

ैनददल और Sangeeta दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससेैनददल और Sangeeta दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Sangeeta के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि सेैनददल और Sangeeta का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Sangeeta के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Sangeeta को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ैनददल और Sangeeta बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतःैनददल और Sangeeta का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sangeeta के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों

की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Sangeeta अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Sangeeta पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Sangeeta अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ैनददल के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास कोै नददल अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भीै नददल के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोणै नददल के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।